DAINIK BHASKAR 19-11-2025

केंद्रीय विद्यालय पहुंची शिक्षा मंत्रालय की टीम, चार घंटे तक जांचे मानक

- शिक्षा विभाग के जिला स्तर के अधिकारियों के साथ मीटिंग भी की
- मेघालय-तमिलनाडु-गोवा के बाद हिसार पहुंची थी शिक्षा मंत्रालय की टीम

अमरजीत संवाददाता • हिसार

शिक्षा मंत्रालय की तीन सदस्यीय टीम दूसरे दिन मंगलवार को कैंट समीप केंद्रीय विद्यालय में पहुंची। जहां चार घंटे तक शैक्षणिक से लेकर गैर-शैक्षणिक कार्यों से संबंधित मानकों को जांचा। इनमें शिक्षा, खेल, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, कम्प्यूटर लैब, स्मार्ट क्लास रूम, शौचालय, पीने के पानी, बिल्डिंग सहित अन्य बिंदुओं पर बारीकी से अध्ययन किया। साथ ही शिक्षकों-विद्यार्थियों की संख्या सहित मोड से मिल को लेकर भी रिपोर्ट जुटाई। दूसरे दिन भी मंत्रालय की टीम में सीजीएस डायरेक्टर रमेशचंद मीणा, केवीएस रिजनल अफिसर सुकृति रायवानी व कंसल्टेंट रेनू रुहिल मौजूद रहे। इसके साथ शिक्षा निदेशालय की टीम स्टेट कंसल्टेंट बालकृष्ण यादव व जॉइंट हेडक्वार्टर नीरज शर्मा व जिले से डीईओ वेद सिंह दहिया, डीपीसी रामरतन व एक अन्य एसडीओ शामिल रहे। जिसके बाद उपरोक्त टीम के सदस्यों ने शिक्षा विभाग के स्टेट व जिले स्तर के अधिकारियों के संग मीटिंग ली, जिसमें सरप्लस शिक्षकों, एसएमसी-शिक्षकों-प्राचार्यों के दायित्वों के बारे में जाना। यह टीम पीएमश्री, जवाहर नवोदय व केंद्रीय विद्यालय की स्थिति, सुविधाएं व मानकों को जानने के लिए देश भर के सरकारी स्कूलों का निरीक्षण कर रही है। टीम मेघालय-तमिलनाडु-गोवा के बाद हिसार पहुंची थी। जहां बीते सोमवार को गांव पाबड़ा स्थित पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय का निरीक्षण किया था।

विद्यार्थियों की कम संख्या पर पूछे कई सवाल

शिक्षा मंत्रालय की टीम ने सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की कम संख्या होने पर कई सवाल-जवाब किए। जिनमें उन्होंने निजी स्कूलों व सरकारी स्कूलों के बीच चाई सुविधाओं से लेकर मानकों में प्रतिस्पर्धा के बारे में भी जाना। साथ ही मिशन योजना सहित अन्य सुविधाएं गिनाकर अधिकारियों ने उपरोक्त टीम के सदस्यों को संतुष्ट किया।

> टीम ने दो दिन तक हिसार के गांव पाबड़ा स्थित पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय व कैंट समीप केंद्रीय विद्यालय में आकर सुविधाओं व मानकों का निरीक्षण किया है। काफी हद तक स्थिति संतुष्ट मिली।
>
> -बालकृष्ण, स्टेट कंसल्टेंट, शिक्षा निदेशालय, पंचकूला